लोक सभा
अतारंकित प्रश्न सं. 860
07 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर पूर्व क्षेत्र में हथकरघा क्षेत्र का विकास

860. कुमारी अगाथा के. संगमाः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) चालू वित्तीय वर्ष में हथकरघा क्षेत्र के लिए आबंटित बजट का ब्यौरा क्या है और उत्तर पूर्व क्षेत्र में हथकरघा विकास हेतु क्या कोई योजनाएं हैं;

(ख) पूर्वोत्तर क्षेत्र में हथकरघा कामगारों की सहायता करने के लिए गैर-सरकारी संगठनों अथवा अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या मेघालय में हथकरघा कामगारों के लिए कोई वित्तीय सहायता कार्यक्रम और केन्द्र प्रायोजित योजनाएं उपलब्ध हैं और यह ग्रामीण तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक किस प्रकार पहुंच सकती हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) से (ग): वस्त्र मंत्रालय पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देश भर में हथकरघा को बढ़ावा देने और हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है, जिसके लिए वर्ष 2023-24 के लिए 360 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया है।

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम;
2. कच्चा माल आपूर्ति योजना;

उपरोक्त योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चे माल, उन्नत करघे और सहायक उपकरण की खरीद, लाइटिंग यूनिट्स, वर्कशेड के निर्माण, कौशल, उत्पाद और डिजाइन विकास, तकनीकी और सामान्य बुनियादी ढांचे, घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग, बुनकर मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और सामाजिक सुरक्षा आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। हथकरघा कामगारों का समर्थन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ कोई विशेष सहयोग वर्तमान में नहीं है।

मेघालय राज्य और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में हथकरघा कामगारों की सहायता के लिए और हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए, भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

i. पूर्वोत्तर क्षेत्र में वित्तीय सहायता के लिए 200 हथकरघा कलस्टरों को लिया गया है, जिनमें मेघालय के 6 क्लस्टर भी शामिल हैं।

ii. वित्तीय सहायता के लिए शिवसागर (असम) और पूर्वी इम्फाल (मणिपुर) में 2 मेगा हथकरघा क्लस्टरों को लिया गया है।

iii. पूर्वोत्तर क्षेत्र में 27,561 हथकरघा कामगारों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें मेघालय के 1,108 कामगार भी शामिल हैं।

iv. शिल्प संवर्धन को पर्यटन के साथ एकीकृत करने के लिए, मोहपारा (असम) और मोइरांग (मणिपुर) में क्राफ्ट हैंडलूम विलेज स्थापित किए जा रहे हैं।

v. उत्पादकता, मार्केटिंग क्षमताओं को बढ़ाने और बेहतर आय की सुविधा के लिए, पूर्वोत्तर क्षेत्र में 32 हथकरघा उत्पादक कंपनियों (पीसी) का गठन किया गया है।

vi. हथकरघा क्षेत्र में डिजाइन-उन्मुख उत्कृष्टता का निर्माण एवं सृजन करने और बुनकरों, निर्यातकों, निर्माताओं और डिजाइनरों को उत्पाद विकास के लिए डिजाइन रिपॉजिटरी तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करने के लिए बुनकर सेवा केंद्र, गुवाहाटी में डिजाइन संसाधन केंद्र की स्थापना की गई है।

*****